आधुनिक तकनीकों ने यूपी को सड़क विकास में किया आगे

अमर उजाला ब्यूरो

सीआईआई के सम्मेलन में विशेषज्ञों ने तकनीकी प्रगति पर डाला प्रकाश

कार्यक्रम में बोलते मनोज गुप्ता। -संवाद

लखनऊ। सीआईआई की ओर से शनिवार को सड़कों और हाईवे के निर्माण में आधुनिक तकनीक, संभावनाओं, अवसरों और भविष्य की तकनीक पर चर्चा के लिए एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें तकनीकी प्रगति और सतत प्रथाओं पर विशेषज्ञों ने बात रखी और यूपी को देश में सड़क के बुनियादी ढांचे में अव्वल बताया। सीआईआई के पूर्व अध्यक्ष और एआर थर्मोसेट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मनोज गुप्ता ने कहा कि इमल्शन ट्रीटेड एग्रीगेट और माइक्रोसर्फेसिंग जैसी तकनीक को बड़े पैमाने पर अमल में लाने से यूपी सड़क विकास में सबसे आगे खड़ा है।

उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से यूपी में न सिर्फ राजस्व की बचत हुई है, बल्कि सड़कें ज्यादा स्थायी और पर्यावरण के अनुकूल बनीं। पीएमजीएसवाई के तहत बनीं गांव की सड़कें इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। पीडब्ल्यूडी मंत्री के तकनीकी सलाहकार वीके सिंह ने कहा कि सड़कों के दीर्घकालिक रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए नई तकनीक की ओर बढ़ने की जरूरत है। इसके लिए सड़कों की रीसाइक्लिंग, पर्यावरणीय संरक्षण, लागत और कार्यप्रणाली पर ध्यान देना होगा।

सम्मेलन में आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर धर्मवीर सिंह ने कहा कि सड़क निर्माण क्षेत्र में अनुसंधान से नई ऊंचाइयों को हासिल किया जा सकता है। सीआईआई यूपी स्टेट काउंसिल की चेयरपर्सन स्मिता अग्रवाल ने यूपी के व्यापक एक्सप्रेसवे नेटवर्क के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि भारतमाला परियोजना के तहत निर्मित एक्सप्रेसवे ने न सिर्फ राज्य के सड़क बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है, बल्कि देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब लोगों को बाजारों तक पहुंचने में सुविधा मिलती है और व्यापारी अपना माल आसानी से ट्रांसपोर्ट कर सकते हैं।